REPORTS OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं विभाग संबंधित सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी संसदीय स्थायी समिति के निम्नलिखित प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति (अंग्रेज़ी तथा हिन्दी में) सभा पटल पर रखती हूँ:-

(i) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग) की अनुदान मांगों (2021-22) के संबंध में बीसवां प्रतिवेदन;

(ii) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग) की अनुदान मांगों (2021-22) के संबंध में इक्कीसवां प्रतिवेदन; और

(iii) अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की अनुदान मांगों (2021-22) के संबंध में बाईसवां प्रतिवेदन।

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Need for widening the Ghat road on NH-49 in Mayurbhanj district of Odisha

श्रीमती ममता मोहंता (ओडिशा): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूँ। ओडिशा के मयूरभंज जिले के सिंगरा से झारखंड के बहरागोड़ा होते हुए मुम्बई तक जाने वाले नेशनल हाईवे NH-49 पर 10 किलोमीटर की एक घाट रोड है। बांग्रीपोसी में इसको द्वारसुनी घाटी बोलते हैं। यह 10 किलोमीटर की घाट रोड बहुत संकीर्ण है और यहाँ रोज दुर्घटना होती है। इस पर बहुत सारी गाड़ियाँ चलती हैं और जनजीवन की हानि होती है। NH-49 के निर्माण का कार्य L&T कंपनी कर रही है। इस 10 किलोमीटर रोड को छोड़ कर ऊपर और नीचे के रास्ते पर 80 परसेंट काम हो गया है। यह 10 किलोमीटर घाट रोड forest area में आती है, इसलिए इसका टेंडर नहीं हुआ। इस घाट रोड को परिवेश मंजूरी देकर इस two-lane road को four-lane road किया जाए। बीच के 10 किलोमीटर को छोड़ कर ऊपर और नीचे इस हाईवे का निर्माण कार्य हो रहा है, जिसका टेंडर L&T ने लिया है।

इसलिए मैं आपसे विनती करती हूँ कि इस 10 किलोमीटर रोड को four-lane किया जाए और इसे परिवेश मंजूरी दी जाए, धन्यवाद।

SHRI SUBHASH CHANDRA SINGH (Odisha): Sir, I associate myself with the Zero Hour submission made by hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by hon. Member.

Need to give Marathi language the status of a Classical language

डा. भागवत कराड़ (महाराष्ट्र): * "माननीय सभापति जी, आप ने मुझे मराठी में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ । मैं इस विषय में मराठी में बात करने वाला हूँ। देश के उपराष्ट्रपति के नाते आप ने 16 फरवरी, 2021 को सांसदों को एक पत्र लिखा। इसका कारण था 21 फरवरी को मनाया जाने वाला मातृभाषा दिवस। उस दिन के उपलक्ष्य में आप के द्वारा लिखे गए लेख देश की कई पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। आपने इसमें आग्रह किया है कि हम अपनी मातृभाषा को बढ़ावा दें, अपनी मातृभाषा का संवर्धन करें और रोजमर्रा की ज़िंदगी में मातृभाषा का अधिकतम प्रयोग करें। हमारी मातृभाषा विलुप्त न हो जाए, इसलिए हमे अपनी मातृभाषा में ज्यादा से ज्यादा बोलना चाहिए, ऐसा भी आग्रह आपने किया है । प्रसिद्ध मराठी साहित्यकार प्रह्लाद केशव अत्रे ने कहा है, कि यह कहने में किसी को लज्जा नही आनी चाहिए कि मैंने अपनी माँ का दूध पिया है, इसी तरह अपनी भाषा में बोलने में भी किसी को लाज नही आनी चाहिए। छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले, राजर्षि शाहू आंबेडकर जैसे अनेक महापुरुषों की मातृभाषा मराठी है। इसी प्रकार से संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, संत रामदास, संत जनाबाई आदि अनेक संतजनों ने मराठी भाषा का प्रबोधन करके, मराठी भाषा में ही अभंग रचना की है। संत नामदेव के अभंग तो सिख धर्म के 'गुरु ग्रंथ साहिब' में भी देखने को मिलते हैं। अपनी मातृभाषा और उससे जुड़ी संस्कृति का संवर्धन और प्रचार–प्रसार करने की आवश्यकता आज हर एक को है। हर साल 27 फरवरी अर्थात् कवि कुसुमाग्रज की जयंती को "मराठी राजभाषा दिवस" के रूप में मनाया जाता हैं। प्राचीन काल में मरहाटी, फिर मराठी, फिर महाराष्ट्र प्रकृति – जैसी यात्रा से गुज़रते हुए मराठी शब्द को आज मान्यता मिली हैं। मराठी का पहला ग्रंथ 'गाथा सप्तशती' हजारों साल पुराना है। उसके साथ ही लीळाचरित्र, संत ज्ञानेश्वर की लिखी हुई 'ज्ञानेश्वरी', जैसे मराठी ग्रंथ भी सैकड़ों साल पहले लिखे गए हैं। मैं आप के

* Hindi translation of the original speech delivered in Marathi.